अध्यक्षीय उद्बोधन

भारतीय जनता पार्टी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

6-7 जनवरी 2017, नई दिल्ली

प्रकाशकीय

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक 6 एवं 7 जनवरी 2017 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में संपन्न हुई। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने सारगर्भित एवं प्रेरक अध्यक्षीय भाषण दिया। बैठक में सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित हुए। पहला, राजनीतिक एवं दूसरा आर्थिक। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ओजस्वी मार्गदर्शन भाषण दिया। इस बैठक में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

भाजपा कार्यकारिणी बैठक ने यथास्थितिवादी व्यवस्था से देश को बाहर निकाल परिवर्तनकारी निर्णयों के कार्यान्वयन के लिए दृढ़ संकल्प प्रस्तुत किया। विमुद्रीकरण का स्वागत करते हुए गरीब एवं शोषित–वंचित वर्गों के कल्याण के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति व्यक्त की गई। केन्द्र सरकार के साहसिक निर्णयों की प्रशंसा करते हुए कार्यकारिणी ने महसूस किया कि विश्व में अब भारत की छवि निखर कर सामने आई है। आज प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति की सराहना पूरे विश्व में हो रही है।

बैठक में अध्यक्षीय उद्‌बोधन के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने नोटबंदी की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है। नोटबंदी कालेधन और जाली नोटों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई है। इसे अपार जनसमर्थन मिला। श्री शाह ने कहा कि भारत अब आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के साथ दो-दो हाथ कर रहा है। सर्जिकल स्ट्राइक से भारत का कद बढ़ा है। अपने सुधी पाठकों के लिए हम यहां श्री अमित शाह के अध्यक्षीय उद्‌बोधन तथा समापन भाषण का मूल पाठ प्रकाशित कर रहे हैं।

प्रकाशक
भारतीय जनता पार्टी
11, अशोक रोड, नई दिल्ली

जनवरी, 2017

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

6–7 जनवरी 2017, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी
11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001

अनुक्रमणिका

'भाजपा को केवल देश चलाने का नहीं, बदलने का जनादेश'
6 जनवरी, 2017 को दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के उद्घाटन भाषण का मूल पाठ..... 5

'कालाधन उत्पन्न करने वाली व्यवस्था को ही समाप्त करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए'
7 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी द्वारा दिए गए समापन भाषण का मूल पाठ 22

'भाजपा को केवल देश चलाने का नहीं, बदलने का जनादेश'

6 जनवरी, 2017 को दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के उद्घाटन भाषण का मूल पाठ

मंच पर उपस्थित आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, देश के वित्त मंत्री और राज्य सभा में पार्टी के नेता श्री अरूण जेटली जी, कार्यकारिणी में उपस्थित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता गण, और कार्यकर्ता भाइयों और बहनों!

आज कोझिकोड के बाद हम दिल्ली में मिल रहे हैं। एक ओर हम कोझिकोड में दीनदयाल जन्म शताब्दी की शुरुआत कर रहे थे तो दूसरी ओर उरी के सैनिक ठिकाने पर जो आतंकवादी हमला हुआ था, उससे पूरा देश स्तब्ध था। उसके बाद हम दिल्ली में फिर मिल रहे हैं। इस वक्त देश में जो भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए की नरेन्द्र मोदी सरकार चल रही है, उसके द्वारा एक सीमित काल खंड के अंदर बहुत सारे फैसले लिए गए हैं जिससे देश की जनता, पार्टी और इस सरकार के साथ पूरे मनोयोग से जुड़ रही है।

सर्जिकल स्ट्राइक कर सेना ने परम शौर्य का परिचय दिया :

मित्रो, 2014 में हम जब चुनाव प्रचार के लिए जनता के बीच गए थे, तब हमने देश की जनता से यह वादा किया था कि देश में जब भाजपा की सरकार बनेगी तो नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे, देश की सीमाओं को सुरक्षित करना तथा देश के जवानों का सम्मान करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन भारतीय जनता पार्टी सालों से कर रही है। इसको फिर से एक बार 2014 के चुनाव में हमने जनता के बीच में दुहराया था और इसमें जनता ने भरोसा किया था। जब उरी के सैन्य ठिकानों पर सुबह तड़के पाक प्रेरित आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें सोते हुए जवानों को मारा गया, कुछ जवान जिंदा जल गए, इस दौरान जवानों को लड़ने का मौका भी नहीं दिया गया। अंधेरे में कायरतापूर्ण हमला किया जिसमें हमारे 12 जवान शहीद हो गए। जब इस घटना की खबर आयी तब देश में हताशा, गुस्सा, निराशा जैसे कई भाव उत्पन्न होने लगे। हताशा से दबे पूरा देश देख रहा था कि भारतीय जनता पार्टी क्या करती है, देश के प्रधानमंत्री क्या करते हैं। मित्रो, उस वक्त देश के जनता को भारतीय जनता पार्टी की सरकार से अन्य सरकारों से ज्यादा अपेक्षा थी और देश की यह अपेक्षा जायज भी थी, क्योंकि हमने सालों से आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी। जब उरी में हमला हुआ तब देश में कांग्रेस की सरकार नहीं थी, देश में भारतीय जनता पार्टी की एनडीए की सरकार चल रही थी और उसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे थे। इसलिए देश के प्रधानमंत्री ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया और हमारी सेना ने परम शौर्य का परिचय देते हुए सर्जिकल स्ट्राइक जैसे ऐतिहासिक कार्य को संपादित किया। आजादी के बाद पहली ऐसी

आज तक विदेश नीति और रक्षा नीति के घालमेल में कभी भी हमारी सीमाओं के अतिक्रमण का मुंहतोड़ जवाब नहीं दिया जाता था। पहली बार देश के प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को बताया कि हम पड़ोसी के साथ शांति तो चाहते हैं, सरहद पर शांति चाहते हैं, मगर इसके साथ-साथ हम अपनी सीमाओं की सुरक्षा के प्रति भी समर्पित हैं और वचनबद्ध है।

घटना थी जब सेना पहली बार सीमा लांघकर गयी और आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया तथा कई आतंकवादियों को मार गिराया। इस कदम के कारण पूरी दुनिया में भारत को देखने का नजरिया बदल गया।

मित्रो, आज तक विदेश नीति और रक्षा नीति के घालमेल में कभी भी हमारी सीमाओं के अतिक्रमण का मुंहतोड़ जवाब नहीं दिया जाता था। पहली बार देश के प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को बताया कि हम पड़ोसी के साथ शांति तो चाहते हैं, सरहद पर शांति चाहते हैं, मगर इसके साथ-साथ हम अपनी सीमाओं की सुरक्षा के प्रति भी समर्पित हैं और वचनबद्ध है। विदेश नीति हमारी ये है कि हम सभी पड़ोसी देशों के साथ शांति चाहते हैं, समझौता चाहते हैं, और रक्षा नीति ये है कि हम किसी को भी अपने सीमाओं का अतिक्रमण करने का अधिकार नहीं देंगे और जो करने की कोशिश करेगा तो उसको छोड़ेंगे भी नहीं। इस कदम के कारण एक मजबूत संदेश दुनिया के सामने गया है। उस वक्त देश के विपक्ष की स्थिति क्या थी, किसान यात्रा में कोई बेवकूफी-सी बात करके कह रहा था कि ये जवानों की खून की दलाली है तो कोई सबूत मांग रहा था। मगर मित्रो, मुझे सुनकर हर्ष हो रहा था। किसी ने कहा कि ये जवानों की खून की दलाली है, किसी ने कहा कि इसके सबूत क्या है, लेकिन देश की जनता हमारे प्रधान मंत्री के साथ और सेना के जवानों के साथ वीरता के साथ खड़ी थी, और पूरे देश ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक इसका स्वागत किया। मित्रो, इस कार्यवाही के कारण पूरे देश में देशभक्ति की जो बयार आयी, उसको हम सबने अनुभव किया है।

दुनिया के किसी देश ने अपने 86 प्रतिशत मुद्रा का विमुद्रीकरण नहीं किया, और ये मित्रो, एक लोकतंत्र है। 8 नवंबर को भारत के प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र को संबोधित किया तथा पांच सौ तथा हजार के नोट को एक साथ चलन से वापस करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।

विमुद्रीकरण पर पूरा देश सरकार के साथ :

उसी के कुछ दिन बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा एक ऐसा

कदम उठाया गया जो भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। दुनिया के किसी देश ने अपने 86 प्रतिशत मुद्रा का विमुद्रीकरण नहीं किया, और ये मित्रो, एक लोकतंत्र है। 8 नवंबर को भारत के प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र को संबोधित किया तथा पांच सौ तथा हजार के नोट को एक साथ चलन से वापस करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। मैं मानता हूं, इसके बहुआयामी परिणाम देश के अर्थ तंत्र को मिलने वाला है। मित्रो, विमुद्रीकरण के इस फैसले से न केवल काले धन को चलन से बाहर करने का काम हुआ, बल्कि जाली नोटों पर भी करारा प्रहार हुआ है, इसके साथ ड्रग माफिया की कमर टूटी है, आतंकवाद की कमर टूटी है, इसके साथ नक्सलवाद की भी कमर टूटी है; जो उगाही करके नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एक समानांतर अर्थव्यवस्था स्थापित किए हैं, उनके लिए भी काफी कठिनाई हुई है, भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगी है। मित्रो, अब आगामी चुनाव में भी काले धन के उपयोग पर नकेल कसेगी। जब यह कदम उठाया गया तब देश में कहीं भी किसी भी प्रकार कोई विरोध और विवाद नहीं था। देश की जनता ने इसका स्वागत किया मगर विपक्ष का जो रवैया था इससे पूरे देश के सामने विपक्ष का चेहरा सामने आ गया। उन्होंने जनता को गुमराह करने का प्रयास किया। विपक्ष के सारे नेता थे, मैं नाम लेना नहीं चाहता, ना तो पार्टियों के ना तो नेताओं के। वे 7 तारीख तक देश के प्रधानमंत्री को पूछते थे कि काले धन के लिए आपने क्या किया? जैसे ही नोटबंदी की घोषणा प्रधानमंत्री जी ने की तो आह और कराह के साथ पूछने लगे कि प्रधानमंत्री जी आपने ऐसा क्यों किया? 'क्या किया' से 'क्यों किया' का यह सफर उनके चरित्र को उजागर करता है। मित्रो, मैं यह मानता हूं कि लोगों को उकसाने का प्रयास किया गया था, लोगों को बरगलाने का

वे 7 तारीख तक देश के प्रधानमंत्री को पूछते थे कि काले धन के लिए आपने क्या किया? जैसे ही नोटबंदी की घोषणा प्रधानमंत्री जी ने की तो आह और कराह के साथ पूछने लगे कि प्रधानमंत्री जी आपने ऐसा क्यों किया? 'क्या किया' से 'क्यों किया' का यह सफर उनके चरित्र को उजागर करता है।

प्रयास किया गया था, मगर मित्रो, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के नाते हम लोगों को इस बात को समझना चाहिए कि सरकारों को फैसले कैसे लेने चाहिए। लोगों को पसंद हों ऐसे फैसले लेने चाहिए या लोगों के हित में हों, ऐसे फैसले लेने चाहिए। मैं मानता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को ऐसे फैसले नहीं लेने चाहिए, जो लोगों को पसंद हो, बल्कि ऐसे फैसले लेने चाहिए जिससे लोगों का भला हो और नोटबंदी का फैसला, मित्रो, इसी तरह का है। देशभक्ति की बात करने से ही केवल देश का भला नहीं होता, देश के भले के लिए कठोर कदम उठाने पड़ते हैं। देशभक्ति की बातों से केवल देश का भला नहीं होता। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता, सरकार में बैठे हुए सभी नेता और प्रधानमंत्री समेत सभी लोग, लोगों को जो तकलीफ हुई है, उसके लिए उन्हें संवेदना प्रकट करनी चाहिए, लोगों को लाइन में लगना पड़ा है। व्यवस्थाएं बदलती हैं तो लोगों को तकलीफें होती हैं इसका अंदाजा हमें नहीं था- ऐसा नहीं है, उसका अंदाजा हमें था, मगर एक लंबे समय के लिए आपको एक अच्छे परिणाम प्राप्त करने हैं तो कुछ समय की वेदना को आप टाल नहीं सकते, ये सोचकर यह फैसला लिया गया है। कुछ मीडिया हाउस और विपक्ष ने देश में एक माहौल बनाने के लिए जो काम किया इसका माकूल जवाब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को देने की जरूरत है। यह फैसला देश हित में लिया गया फैसला है। ये तकलीफें जो थोड़े दिन के लिए है वो निकल जाएंगी और आने वाले दिन इसी नींव पर एक अच्छे अर्थतंत्र का निर्माण करेंगे। एक विकास युक्त भारत का निर्माण करेंगे। मित्रो, जितने भी सर्वे हुए हैं, ऐसा नहीं है कि सर्वे नहीं हुआ, कुछ लोगों ने तो सर्वे करके प्रकाशित भी नहीं किया, कुछ लोगों ने सर्वे को प्रकाशित भी किए हैं और चुनाव के कारण जितने भी सर्वे हो रहे हैं उसमें नोटबंदी एक प्रमुख मुद्दा है और मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है, मित्रो कि देश की 75 प्रतिशत

मैं मानता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को ऐसे फैसले नहीं लेने चाहिए, जो लोगों को पसंद हो, बल्कि ऐसे फैसले लेने चाहिए जिससे लोगों का भला हो और नोटबंदी का फैसला, मित्रो, इसी तरह का है।

जनता नोटबंदी के साथ खड़ी है, इतनी लाइनों में खड़ी रहने के बाद भी। उसके बाद चुनाव भी हुए हैं, कई सारे चुनाव हुए हैं। मैं बाद में इसका जिक्र करता हूं। जितने बार चुनाव हुए हैं, जहां भी हुए हैं, चाहे पहली बार भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतती थी या नहीं जीतती थी इस चुनाव में जरूर जीती है, ज्यादा सीटें जीती हैं, वोट प्रतिशत भी बढ़ा है और ज्यादा सफलता पायी है दोस्तों। और ये उदाहरण है कि विमुद्रीकरण के साथ पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है। काला धन के खिलाफ हमारी जो लड़ाई है वो लड़ाई विमुद्रीकरण से शुरु हो रही है ऐसा नहीं है।

जबसे सरकार बनी है काला धन के खिलाफ एक के बाद एक कदम उठाए है। मित्रो, कैबिनेट का पहला प्रस्ताव आप याद करिए, जब भाजपा की सरकार बनी उसकी पहली कैबिनेट बनी उसका पहला प्रस्ताव था काले धन के स्रोत के लिए। जो पहली सूचनाएं आयी हैं, उसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश दिया था जो 18 महीनों से लंबित था, भारतीय जनता पार्टी ने पहली कैबिनेट में ही यह फैसला करके सुप्रीम कोर्ट के एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया और विश्व भर से जितनी भी सूचनाएं एकत्र हुई थीं, वो एसआईटी को सौंप दी कि इनकी जांच की जाए। मित्रो, उसके बाद गरीबों के खाते खुलवाने का कार्य जनधन योजना के माध्यम से हमने किया था, इसके अलावे देश और देश की जनता के हित में कई फैसले लिए गए। मित्रो, ये पूरी लड़ाई हम एक सोची समझी रणनीति के तहत लड़ रहे हैं और यह काले धन के खिलाफ पहला पड़ाव है। विमुद्रीकरण ने काले धन के जो संरक्षण में थीं, ऐसी समानांतर अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने का काम किया।

मित्रो, ये पूरी लड़ाई हम एक सोची समझी रणनीति के तहत लड़ रहे हैं और यह काले धन के खिलाफ पहला पड़ाव है। विमुद्रीकरण ने काले धन के जो संरक्षण में थीं, ऐसी समानांतर अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने का काम किया।

देश की स्थिति परिवर्तित करने का जनादेश :

मित्रो, भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत का जनादेश मिला है, वो देश

चलाने के लिए नहीं मिला है, देश चलाने का काम तो पहले भी जो लोग थे वो कर रहे थे। भारतीय जनता पार्टी को जो पूर्ण बहुमत का जनादेश मिला है मित्रो, वो देश को बदलने का जनादेश मिला है। जब मैं कहता हूं कि देश की स्थिति को परिवर्तित करना है तो कैसे परिवर्तित करना है? विगत दस साल का बजट आप उठाकर देख लीजिए जो विकास का बजट है वो चार लाख बीस हजार करोड़ से लेकर चार लाख सत्तर हजार करोड़ के बीच में हिचकोले खा रहा है। चार लाख सत्तर हजार करोड़ का भी तय नहीं है कि वह कहां खर्च होगा। देश के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के पास दस हजार करोड़ की भी जगह नहीं है। अगर हम सोचते हैं कि एक गरीब के घर में शुद्ध पीने का पानी पहुंचाना है, लाइट पहुंचाना है, दो टाइम का पोषणयुक्त भोजन उसे देना है, रोजगार देना है, हर गांव को सड़क से जोड़ना है, हर गांव में एक स्वास्थ्य सेंटर बनाना है, 60 किलोमीटर की त्रिज्या में एक ट्रामा सेंटर बनाना है, 108 की सुविधा देनी है, स्कूल को मजबूत बनाना है तो मित्रो इसके लिए बजट चाहिए। अगर हम चाहते हैं कि हिंदुस्तान की सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेना हो, दुनिया की सबसे आधुनिक सेना हो तो उसके लिए बजट चाहिए। यहां मैन्यूफैक्चरिंग के नाम पर अभी जो कर रहे हैं, प्रधानमंत्री जी यहां बैठें हैं, वो बताएंगे मैन्यूफैंक्चरिंग के नाम पर मुनाफा तो जा रहा है जिनके पास बौद्धिक पेटेंट है। देश के बच्चों को आर. एंड. डी. का प्लेटफार्म देना है। अलग-अलग क्लस्टर बनाकर उसके लिए धन मुहैया करना है, तो इसके लिए मित्रो, हमारे पास धन नहीं है। अंतरिक्ष में जितने उपग्रह हैं हम चाहते हैं कि हर चौथा

देश के बच्चों को आर. एंड. डी. का प्लेटफार्म देना है, अलग-अलग क्लस्टर बनाकर उसके लिए धन मुहैया करना है, तो इसके लिए मित्रो, हमारे पास धन नहीं है। अंतरिक्ष में जितने उपग्रह है हम चाहते हैं कि हर चौथा उपग्रह हमारा हो तो इसके लिए हमारे पास धन नहीं है। देश को अगर आगे बढ़ाना है तो यह समानांतर अर्थव्यवस्था जो चल रही है इसको समाप्त करना पड़ेगा तथा चार लाख सत्तर हजार करोड़ की बैरियर को तोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सरकार को आगे बढ़ना पड़ेगा।

उपग्रह हमारा हो तो इसके लिए हमारे पास धन नहीं है। देश को अगर आगे बढ़ाना है तो यह समानांतर अर्थव्यवस्था जो चल रही है इसको समाप्त करना पड़ेगा तथा चार लाख सत्तर हजार करोड़ की बैरियर को तोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सरकार को आगे बढ़ना पड़ेगा, देश को आगे बढ़ाना पड़ेगा और यह तभी हो सकता है जब हम देश में समानांतर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से समाप्त कर देश को आगे बढ़ाने का प्रयास करे और उस प्रयास का नाम है विमुद्रीकरण। उस प्रयास का नाम है नोटबंदी। जो उपभोक्ता चीज खरीदता है वो तो टैक्स देता है, मगर वो सरकार के खजाने में नहीं जाता है, इनकम टैक्स के आंकड़े अरुण जी देंगे अपने प्रस्ताव में कि कितने लोग 50 लाख से ज्यादा आय का रिटर्न भरते हैं।

मैं आपको भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते बताता हूं मित्रो, भारतीय जनता पार्टी जनता के एक ऐसे वर्ग में पहुंच रही है जहां जाने के लिए हम सालों से प्रयास कर रहे थे और वो देश का गरीब भारतीय जनता पार्टी का तथा श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करने के लिए दिल से तैयार खड़ा है।

मित्रो, स्थिति बदलने की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी की है। इसलिए ये फैसला हमने जो लिया है, वो देश को आगे बढ़ाने का फैसला है। सात करोड़ गरीबों को गरीबी से मुक्ति दिलाने का फैसला है। हजारों युवाओं के आशा और अरमानों की पूर्ति करने का प्रयास का यह फैसला है। देश को सुरक्षित करने का फैसला है और देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया का सिरमौर बनाने का फैसला है। देश को दुनिया में एक सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए यह फैसला लिया गया है। जो तकलीफें हो रही हैं, उससे भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता उलझन में ना पड़े, वह पूरे मनोयोग से इस परिस्थिति का सामना करे तथा पूरे विश्वास के साथ कार्यकर्ता जनता के बीच में जाए। मैं जानता हूं, परिवर्तन यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश जाकर आया हूं, जनता हमारा स्वागत करने के लिए तैयार खड़ी है, आत्मविश्वास के साथ खड़ी है, हमारे सारे फैसलों को सारी अच्छाइयों को लेकर जनता के बीच में जाइए।

विपक्ष बेनकाब :

मित्रो, विपक्ष बेनकाब हो गया है, आज जो भी नोटबंदी का विरोध करता है वो काला धन की लड़ाई में काले धन वालों के साथ है। मैं आपको भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते बताता हूं मित्रो, भारतीय जनता पार्टी जनता के एक ऐसे वर्ग में पहुंच रही है जहां जाने के लिए हम सालों से प्रयास कर रहे थे और वो देश का गरीब भारतीय जनता पार्टी का तथा श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करने के लिए दिल से तैयार खड़ा है। हम उसके पास जाएं और उसको अपने फैसले के साथ जोड़ें। मित्रो, ये दोनों जो काम हुए है, मैं मानता हूं कि देश का सौ साल का और एक हजार साल का इतिहास लिखा जाएगा तो सर्जिकल स्ट्राइक और विमुद्रीकरण दोनों को इतिहास में स्थान देना पड़ेगा और मुझे यह कहते हुए यह गौरव है कि ये दोनों फैसले भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किए हैं, हमारे ही नेता हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दोनो फैसले किए हैं। इस पूरे सदन को पूरे मन के साथ अपील करना चाहता हूं कि खड़े होकर, ताली बजाकर इन दोनों फैसलों के लिए देश के प्रधानमंत्री का मन से स्वागत करें और उनको भरोसा दिलाएं कि आप देश के हित में फैसला करिए हम चट्टान की तरह आपके साथ खड़े हैं। हर कार्यकर्ता आपका दूत बनकर, आपका संदेश लेकर लोगों के बीच में जाने के लिए तैयार है।

मैं मानता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को, कैशलेस सोसायटी की जो अपील है प्रधानमंत्री जी की, इसको सफल करना चाहिए। भीम एप को लेकर जहां भी जाते हैं उसका स्वागत होता है। भीम एप का उपयोग आम आदमी भी कर सके इसकी व्यवस्था की गयी है।

कैशलेस सोसायटी तैयार करना होगा:

मित्रो, अगर समानांतर अर्थव्यवस्था समाप्त करनी है तो केवल विमुद्रीकरण से नहीं होगा। नोटबंदी से नहीं होगा। इसको समाप्त करना है तो अपनी अर्थव्यवस्था को कैशलेस तो नहीं कर सकते, मगर प्रयास कर सकते हैं। पूरा व्यवहार अगर डिजिटलाइज करने में हम सफल होते हैं तो कैश चोरों के लिए बहुत कम जगह बच जाएगी और जब हम इस पर बात करते हैं तो कई लोगों

को लगता है कि इस फैसले से क्या कैशलेश का जमाना आ जाएगा। कैशलेस समाज तैयार होगा? मित्रो, हम ध्यान से देख नहीं रहे हैं, काफी कार्यकर्ताओं ने मुझसे कहा इसलिए मैं आप लोगों से यह कह रहा हूं। ढाई साल से यह सरकार जिस तरह से चल रही है उसको मैंने बारीकी से देखा नहीं हैं, प्रधानमंत्री जी ने जो अपील की है वो अपील का आधार उन्होंने ढाई साल में बना लिया है। पहला ही भाषण था लाल किले की प्राचीर से उन्होंने जनधन योजना की घोषणा की थी। 30 करोड़ परिवारों में बैंक खाता खुलवाने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया। 160 करोड़ टेलीफोन इस देश में पहुंच चुके हैं, 14 करोड़ बैंक एकाउंट हो चुके हैं, 25 करोड़ जनधन एकाउंट खुले हैं, 35 करोड़ स्मार्ट फोन पहुंच चुके हैं और चालीस करोड़ से ज्यादा बैंक अकाउंट को आधार से जोड़ने का काम हो चुका है। इस ढाई साल के अंदर एक के बाद एक 29 ऐसे फैसले किए गए हैं जो देश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का काम करने वाला है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं, विधायकों को, सांसदों को, हर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को तथा उनकी सरकारों को कैशलेस की दिशा में काम करना चाहिए। मैं मानता हूं मित्रो, थोड़ी बहुत बाधाएं होगी, समय के साथ निकल जाएगी, लेकिन जब तक काला धन उत्पन्न करने वाला व्यापार हम बंद नहीं करते, इस देश का भला नहीं हो सकता। विमुद्रीकरण ये पहला फैसला है, मगर इसके साथ अगर कैशलेस सोसायटी तैयार नहीं करते हैं तो आने वाले समय में भी काला धन जमा होगा। मित्रो, मैं मानता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को, कैशलेस सोसायटी की जो अपील है प्रधानमंत्री जी की, इसको सफल करना चाहिए। भीम एप को लेकर जहां भी जाते हैं उसका स्वागत होता है। भीम एप का उपयोग आम आदमी भी कर सके इसकी व्यवस्था की गयी है, रुपे डेबिट कार्ड आज करोड़ों लोगों के पास पहुंच चुका है और उसके माध्यम से हम कैशलेस सोसायटी बना सकते हैं और इसके लिए संगठन और चुने हुए सभी जन प्रतिनिधि कैशलेस सोसायटी

मैं मानता हूं मित्रो, थोड़ी बहुत बाधाएं होगी, समय के साथ निकल जाएगी, लेकिन जब तक काला धन उत्पन्न करने वाला व्यापार हम बंद नहीं करते, इस देश का भला नहीं हो सकता।

बनाने के लिए प्रयास करेंगे। तो मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में एक आर्थिक क्रांति का नेतृत्व करने का सौभाग्य भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा और मित्रो, ये टैक्स नामक जो शब्द है, उसको ज्यादा जाना जाता है, टैक्स की चोरी करने वालों के नाम से। टैक्स क्या है, इसको सीधा और सरल भाषा में समझने के लिए ये कि जिसके पास ज्यादा है उसके पास से सरकार ले और जिसके पास नहीं है, उसके जीवन को ऊँचा उठाने के लिए व्यवस्था करे, यही टैक्स होता है। अगर टैक्स की चोरी होती है तो जिसके पास नहीं है, उसके जीवन को ऊँचा उठाने की व्यवस्था मित्रो हम नहीं कर पाएंगे। मैं मानता हूं कैशलेस समाज का निर्माण करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को आगे आना चाहिए और प्रधानमंत्री जी की जो अपील है, जिसे जनता सकारात्मक समर्थन दे रही है, उसको हम लोग आगे बढ़ाएं तथा लोगों तक अपनी तथा सरकार की नीतियों को पहुंचाने का काम करें।

मैं मानता हूं कैशलेस समाज का निर्माण करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को आगे आना चाहिए और प्रधानमंत्री जी की जो अपील है, जिसे जनता सकारात्मक समर्थन दे रही है, उसको हम लोग आगे बढ़ाएं तथा लोगों तक अपनी तथा सरकार की नीतियों को पहुंचाने का काम करें।

विमुद्रीकरण के बाद हर ओर विजय :

मित्रो, मैनें जैसा कहा कि विमुद्रीकरण के फैसले के बाद कई जगह पर चुनाव हुए और हर जगह हम जीते हैं, चाहे वह मध्य प्रदेश हो या पश्चिम बंगाल हो, पश्चिम बंगाल में पहली बार किसी लोक सभा के चुनाव में दूसरे नंबर पर पहुंचे हैं और ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। असम, महाराष्ट्र में विजय मिली है, चंडीगढ़ नगरपालिका में पहली बार भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है, उसमें भी ग्रामीण अंचल में पहली बार हमारे काउंसलर जीते हैं, गुजरात के अंदर भी नगर परिषद और ग्राम पंचायतों के चुनाव हुए जिसमें बहुत बड़ा जनसमर्थन प्राप्त हुआ है और बहुत बड़ी जीत मिली है। दस हजार से ज्यादा स्थानों पर चुनाव था और आठ हजार से ज्यादा स्थानों पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को जीत मिली है। त्रिपुरा जैसे

राज्य में भी हम दोनों सीटों पर दूसरे नंबर पर पहुंचे हैं। मित्रो, मैं मानता हूं, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। जहां-जहां हमारा चुनाव हुआ, वहां आगे बढ़ने का हमें मौका मिला है और विमुद्रीकरण के फैसले के तत्काल बाद यह चुनाव हुए हैं। मैं मानता हूं कि सर्वे जो होते हैं, उसमें हम आगे बढ़ते हैं, लेकिन यह तो जनता का फैसला है। जनता विमुद्रीकरण के फैसले पर हमारे साथ खड़ी है।

अनेक लोकहितकारी निर्णय :

मित्रो, इन दिनों में गत कार्यकारिणी और इस कार्यकारिणी के बीच में भारत सरकार ने कई सारे फैसले लिए हैं जिसमें रेलवे बजट को आम बजट के अंदर मर्ज करना एक बहुत बड़ा फैसला है। इन योजनाओं का जिक्र मैं बाद में करूंगा, मगर एक संचार उपग्रह जी सैट18- का सफल प्रक्षेपण किया है। मानव रहित यान रुस्तम- 2 का भी हमने सफलता से अंतरिक्ष में प्रक्षेपण किया है। जल सेना के लिए और थल सेना के लिए बहुत सारे सौदे करके सेना को मजबूत बनाने का कार्य किया है। भारत और रूस के बीच में 16 बहुत बड़े समझौते हुए हैं, भारत और जापान के बीच में भी बहुत सारे समझौते हुए हैं। ब्रम्हदेश के साथ हमने कृषि बिजली और आधारभूत संरचनाओं के साथ बहुत अच्छे समझौते किए है। मैं जानता हूं कि सरकार के साथ इन तीन महीनों में बहुत सारे कार्यों को संपादित किए हैं।

दस हजार से ज्यादा स्थानों पर चुनाव था और आठ हजार से ज्यादा स्थानों पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को जीत मिली है। त्रिपुरा जैसे राज्य में भी हम दोनों सीटों पर दूसरे नंबर पर पहुंचे हैं। मित्रो, मैं मानता हूं, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मित्रो, इस तीन महीने के अंदर हमारी राज्य सरकारें भी बहुत सारे कार्यों को संपादित कर चुकी है। मित्रो, मध्य प्रदेश में 'नमामि नर्मदे' नयी योजना शुरु हुई है, जिसमें नर्मदा के किनारों को प्रदूषण मुक्त करना तथा फलदार वृक्ष लगाने के लिए बहुत शानदार प्रयास शिवराज जी के नेतृत्व में चल रहा है। मुख्यमंत्री समाधान शिविरों में सरकार को लोगों से जुड़ने का मौका मिल रहा है तथा प्रशासन लोगों तक पहुंच रही है। हरियाणा में पंडित दीनदयाल

उपाध्याय की स्मृति में लोगों को सस्ते घर प्रदान करने का काम किया जा रहा है, और महिला पुरुष वालेंटियर का सफल प्रयोग हुआ है, गुजरात में अनुसूचित जाति के ऊपर हो रहे अत्याचारों पर एक विधेयक लाए हैं, और नशाबंदी के लिए भी सरकार एक कठोर कानून लेकर आयी है। स्वास्थ्य के लिए अटल स्वास्थ्य योजना शुरु किया गया है। असम में काजीरंगा नेशनल पार्क को अतिक्रमण मुक्त कराने का कार्य किया है। झारखंड में भी विकास के लिए बहुत सारा प्रयास किया गया है, किसानों के लिए एक सिंगल विंडो का प्रावधान किया गया है। गोवा में कैशलेस बनाने के लिए शत-प्रतिशत आगे बढ़ने का प्रयास किया गया है। जम्मू-कश्मीर में भी शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बहुत सारी योजनाओं को लेकर आयी है मित्रो। और अभी-अभी विमुद्रीकरण के 50 दिन समाप्त हुए तो प्रधानमंत्री जी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की पहली किस्त लेकर आए।

प्रधानमंत्री जी की अपील पर देश के सारे बैंकों ने चाहे वो राष्ट्रीयकृत बैंक थे या फिर प्रायवेट बैंक थे, चाहे वो सहकारी बैंक थे करीब-करीब सभी लोगों ने विमुद्रीकरण के बाद उन लोगों के पास जो विपुल मात्रा में धन आया था, उस पर प्रधानमंत्री जी की अपील पर सारे के सारे बैंकों ने एक प्रतिशत ब्याज में कटौती करने का फैसला किया है।

विमुद्रीकरण के कितने फायदे होंगे इसको लेकर बहुत सारी चर्चाएं चल रही है, इसको लेकर बहुत सी शंकाएं भी हैं। मगर प्रधानमंत्री जी ने अपने राष्ट्र के नाम जो संदेश दिया उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि रास्ता क्या है और दिशा क्या है। वरिष्ठ नागरिकों, किसानों के हित में तथा मध्यम वर्ग के व्यापारी तथा छोटे उद्योगों के लिए सरलता से लोन उपलब्ध हो जाए, इसकी भी व्यवस्था की है। एक गरीब व्यक्ति अपने घर का सपना पूरा कर सके इस प्रकार की भी व्यवस्था की गयी है। मित्रो, प्रधानमंत्री जी की अपील पर देश के सारे बैंकों ने चाहे वो राष्ट्रीयकृत बैंक थे या फिर प्रायवेट बैंक थे, चाहे वो सहकारी बैंक थे करीब-करीब सभी लोगों ने विमुद्रीकरण के बाद उन लोगों के पास जो विपुल मात्रा में धन आया था, उस पर प्रधानमंत्री जी की अपील पर सारे के सारे बैंकों

ने एक प्रतिशत ब्याज में कटौती करने का फैसला किया है। मित्रो, मैं मानता हूं कि इससे अर्थतंत्र को बहुत बड़ी गति मिलने वाली है।

संगठनात्मक कार्यों में गति :

तीन-तीन महीनों में संगठनात्मक रूप से भी बहुत अच्छा काम हुआ है बहुत बड़ा काम हुआ है। जैसे हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी हर 90 दिन में मिलती है, वैसे ही उसके सात दिन के बाद प्रदेश कार्यकारिणी, इस बार प्रदेश कार्यकारिणी शत-प्रतिशत हुई हैं, जिला कार्यकारिणी 96 प्रतिशत हुई हैं और मंडल कार्यकारणियां 87 प्रतिशत हुई हैं, यह बहुत बड़ी संगठनात्मक उपलब्धि है। उसकी गुणवत्ता को अच्छी और परिणामजनक बनाने के लिए भी आज एक समिति बनायी गयी है जो आगे काम करेगी। सामूहिक नेतृत्व के लिए भी हमने एक कोर ग्रुप बनाया है तथा एक परिपत्र तैयार करके उस पर व्याख्या की गई है। महामंत्री प्रवास भी तीन-तीन दिन के चक्रीय व्यवस्था के साथ हो रहा है, उसका भी बहुत अच्छा परिणाम मिला है। मंडल इकाई सुदृढ़ीकरण के लिए भी ओडिशा, केरल और बंगाल ने बहुत अच्छा काम किया है और संगठनात्मक गतिविधियों में भी पुस्तकालय से लेकर बहुत सारे काम हुए हैं। हमने प्रशिक्षण को एक निरंतर कार्यक्रम बनाया है। इसका भी बहुत फायदा हुआ है और सबसे बड़ी बात श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी ने एक अपील की थी कि दीनदयाल जन्मशती के साल में कार्यकर्ता अपने समय का दान दें। इसके लिए पार्टी ने एक योजना बनायी थी, उस योजना में तीन प्रकार के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की कल्पना की थी कि एक 15 दिन का पूरा समय देंगे, एक छह महीने का देंगे और एक साल भर का देंगे। 15 दिन का जो समय देंगे, उसको बूथ की व्यवस्था को बनाने के लिए, कार्यालय की व्यवस्था को बनाने के लिए, बाकी कामों के फॉलोअप करने के लिए हम

मंडल इकाई सुदृढ़करण के लिए भी ओडिशा, केरल और बंगाल ने बहुत अच्छा काम किया है और संगठनात्मक गतिविधियों में भी पुस्तकालय से लेकर बहुत सारे काम हुए हैं। हमने प्रशिक्षण को एक निरंतर कार्यक्रम बनाया है।

लगाएंगे। जो छह महीने का देंगे वह जहां पार्टी संगठनात्मक रूप से निर्बल है, वहां जाकर काम करेंगे और एक साल का जो देने वाले हैं उनको उन सभी लोकसभा सीटों पर दो-दो विधान सभा सीटों पर उनको इंचार्ज बनाकर भेजे जाने का प्रस्ताव है। यह कहते हुए बहुत आनंद हो रहा है मित्रो कि अब तक दस राज्यों का आंकड़ा आना बाकी है लेकिन अब तक 2031 कार्यकर्ताओं ने अपना समय देने की स्वीकृति दी है, यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। 1769 कार्यकर्ता छह महीने के लिए निकलने वाले हैं और 15 दिन के लिए एक लाख 60 हजार कार्यकर्ताओं ने अपनी स्वीकृति दी है। आप कल्पना करिए मित्रो, एक लाख साठ हजार कार्यकर्ता 15 दिनों के लिए पार्टी को अपना समय देंगे। मित्रो मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है, और हमें और आगे बढ़ाने के लिए पूर्णकालिक निकालना है। इसका विवरण आज की इस बैठक में हमने रखा है।

अगर राजनीतिक चंदों में पारदर्शिता आती है, अगर राजनीतिक चंदा जो राजनीति को चलाते हैं उसी में सुधार आ जाए तो मुझे लगता है कि गंगोत्री से ही गंगा की शुरुआत होती है, तो इस प्रकार से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार की समाप्ति हो सकती है।

चुनाव सुधारों पर व्यापक चर्चा की आवश्यकता :

प्रधानमंत्री जी ने समानांतर अर्थव्यवस्था और काले धन के खिलाफ देश में जो मुहिम छेड़ी है, उसमे उन्होंने देश की सभी राजनीतिक पार्टियों को भी आह्वान किया है कि अब समय आ गया कि अब पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक सभी प्रकार के चुनाव देश में एक ही साथ होना चाहिए। मुझे लगता है कि इससे देश में चुनावी खर्चों में भारी कमी आएगी और इस विषय पर उन्होंने सभी दलों का आह्वान किया है। भारतीय जनता पार्टी इसके लिए काम कर रही है और इस पूरा विजन तैयार करके इस पर खुली बहस के लिए तैयार करेगी। आशा है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में ही बहुत बड़े चुनाव सुधार होंगे। इससे चुनावी राजनीति में से काले धन को बाहर निकालने में हमें बहुत बड़ी सफलता मिलेगी। मित्रो, राजनीतिक चंदे को भी पारदर्शी बनाने के लिए

भी आज पार्टी ने कमेटी गठित की है जो अपने सुधारों पर परिचर्चा करेगी तथा चुनाव आयोग तक लेकर जाएगी। अगर राजनीतिक चंदों में पारदर्शिता आती है, अगर राजनीतिक चंदा जो राजनीति को चलाते हैं उसी में सुधार आ जाए तो मुझे लगता है कि गंगोत्री से ही गंगा की शुरुआत होती है, तो इस प्रकार से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार की समाप्ति हो सकती है। बहुत व्यापक बहस की जरूररत है और हम इस दिशा में आगे बढ़े हैं और प्रधानमंत्री के दोनों सुझाव हैं उसको राजनीतिक दलों का समर्थन जो मिले वो मिले मगर जनता का समर्थन भरपूर मिला है, उनका भाषण करते ही हजारों की संख्या में लोग इसका स्वागत करते हुए लोगों ने इसका समर्थन किया है।

उत्तराखंड में भी भारतीय जनता पार्टी ने जो परिवर्तन यात्रा चलायी उसका बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला है, हमारे नेताओं की रैली को और प्रधानमंत्री जी की रैली का बहुत अच्छा प्रतिभाव मिला है।

आगामी चुनावों में भाजपा की विजय सुनिश्चित :

अंत में मित्रो पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जिन पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, वो पांचों राज्य हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं, एक उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, गोवा में हम सत्ता में हैं, पंजाब में हम सत्ता में हैं और मणिपुर में हमारे संगठन का विस्तार बहुत हो चुका है। यह मुझे कहते हुए खेद है कि मणिपुर में जो सरकार है, उसने राजनीतिक कारणों से मणिपुर की जनता को आज परेशानी में डालकर रखा है। राज्य की जनता को नाकाबंदी करके वहां रोजमर्रा की मुश्किलों को इतना बढ़ा दिया है कि जनता त्राहिमाम है। मैं आज इस कार्यकारिणी के मंच पर से मणिपुर की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आप भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा करिए हम, बंदमुक्त, महंगाई मुक्त तथा भ्रष्टाचार मुक्त तथा विकसित मणिपुर पांच साल में आपको देंगे। मित्रो, मैं मानता हूं पूर्वोत्तर के इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी की विजय के बहुत बड़े मायने हैं।

उत्तराखंड में भी भारतीय जनता पार्टी ने जो परिवर्तन यात्रा चलायी उसका बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला है, हमारे नेताओं की रैली को और प्रधानमंत्री जी

की रैली का बहुत अच्छा प्रतिभाव मिला है।

उत्तर प्रदेश के अंदर जिस प्रकार से कानून और व्यवस्था की स्थिति है, जिस प्रकार से गरीबों के जमीन पर कब्जा हो रहा है, जिस प्रकार से महिलाओं के साथ दुराचार हो रहा है, अत्याचार हो रहा है, लोगों को अपना घर अपना गांव छोड़कर भागना पड़ रहा है। कोई चाहे कितना भी मुद्दा बदलने की बात करे लेकिन उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, गुंडागर्दी और विकास के मुद्दे पर वोट होने वाला है, और उत्तर प्रदेश के अंदर निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी को विजय होने वाली है। मित्रो, इस प्रकार का जन-समर्थन हमारी परिवर्तन यात्राओं को मिला है। नोटबंदी के दौर में कई सारे एटीएम, कई सारे बैंक जहां लोग लाइन में खड़े थे वहां से परिवर्तन यात्रा निकली, वहीं चौक पर भाषण हुए लेकिन पूरे 50 दिन की यात्रा में एक भी जगह उत्तर प्रदेश की जनता ने कहीं भी काला झंडा नहीं दिखाया, बल्कि स्वागत किया है, यही बताता है कि विमुद्रीकरण के साथ किस प्रकार से जनता खड़ी है। इन पांचों चुनावों के अंदर पार्टी जो भी भूमिका तय करे, हम उसका निर्वहन करें और एक बार अपने विजय रथ को आगे बढ़ाएं।

मित्रो, इन पांच राज्यों में चुनाव जीतने के बाद ही भारतीय जनता पार्टी अपना अखिल भारतीय स्वरूप और भी ज्यादा विस्तृत कर लेगी। हमें भरोसा है, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी इन पांचों राज्यों के चुनाव में प्रचंड विजय प्राप्त करेगी।

मित्रो, इन पांच राज्यों में चुनाव जीतने के बाद ही भारतीय जनता पार्टी अपना अखिल भारतीय स्वरूप और भी ज्यादा विस्तृत कर लेगी। हमें भरोसा है, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी इन पांचों राज्यों के चुनाव में प्रचंड विजय प्राप्त करेगी। हम प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को विश्वगुरू बनाने के लिए फिर से एक बार संकल्प लें, इसी के साथ मैं अपनी बात को विराम देता हूँ। धन्यवाद।

❑❑❑

'कालाधन उत्पन्न करने वाली व्यवस्था को ही समाप्त करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए'

7 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी द्वारा दिए गए समापन भाषण का मूल पाठ

मित्रो, दो दिन से अपनी ये कार्यकारिणी चल रही है। कल सुबह से राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन मंत्री और मोर्चे के अध्यक्षों की बैठक चल रही थी। उसमें बहुत सारे संगठनात्मक विषयों पर चर्चा भी हुई है। कई महत्वपूर्ण फैसले भी हुए हैं और जो फैसले आगे किए गए थे, उसकी समीक्षा भी हुई है। कार्यसमितियों को नियमित रूप से 90 दिन में एक बार करने का आग्रह किया गया था, उस हिसाब से यह चौथी कार्यकारिणी है। 90 दिन में पहली कार्यकारिणी, इसके सात दिन में प्रदेश कार्यकारिणी, इसके सात दिन बाद जिले की, और उसके सात दिन के बाद मंडल की, इस क्रम में हमें काफी सफलता मिली है। ऐसा कह सकते हैं कि हम करीब-करीब जिलों तक शत- प्रतिशत की पहुँचने दिशा में हैं। गठित मंडलों में 85 प्रतिशत से

ऊपर पहुंचे हैं जो कि एक संतोषजनक स्थिति है। मगर इस बार पदाधिकारी बैठक में कार्यकारिणी की गुणवत्ता बढ़े और वो परिणाम देने वाला बने, इसके लिए एक समिति का गठन किया है जो इस पर विचार करे कि देश भर के मंडल कार्यकारिणी में इतनी चीजें कॉमन होंगी कि जिला कार्यकारिणी में इतना कार्य होना ही चाहिए। देश भर की प्रदेश कार्यकारिणी में इतना काम होना ही चाहिए और आठ दस चीजें, जिसको हम बारी-बारी से ले सकें। मुझे लगता है जब अपने कार्यकर्ताओं की एक टीम गठन की गयी है वो टीम जब विचार विमर्श करके आएगी जिसकी गुणवत्ता परिमार्जित करने पर भी हम काफी आगे बढ़ सकते हैं।

आज के रेफरेंस में मुझे लगता है कि इस बार की मंडल कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी और प्रदेश कार्यकारिणी में दो विषयों को हम निश्चित रूप से लें और बाद में आगे भी इसको रिपीट करना पड़ेगा, जब तक हमको आदत नहीं पड़ जाएगी।

कार्यकर्ताओं में डिजिटल पेमेंट की समझ हो :

सबसे पहली बात जो पीयूष भाई ने अभी जो विषय रखा डिजिटल पेमेंट के लिए एप्स को डाउनलोड करना और डिजिटल पेमेंट की पूरी समझ छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को हो, इसलिए प्रदेश जिला और मंडल की कार्यकारिणी में यह विषय आवश्यक रूप से रखवाना चाहिए। इस आंदोलन को हम आधा-अधूरा नहीं छोड़ सकते। आप इसको विमुद्रीकरण के साथ ही जोड़कर न देखिएगा। अगर इस आंदोलन को हम सफल नहीं बनाते हैं तो विमुद्रीकरण को हम सफल नहीं बना सकते हैं, ऐसा हम मानते हैं। काले धन को समाप्त करना एक मात्र लक्ष्य नहीं हो सकता, काले धन को उत्पन्न करने वाली व्यवस्था को भी समाप्त करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। जब तक डिजिटल पेमेंट की दिशा में हम आगे नहीं बढ़ते, तब तक काले धन को जेनरेट होने से हम नहीं रोक सकते हैं। सभी प्रदेश अध्यक्ष इस बात को सुनिश्चित करें कि प्रदेश कार्यकारिणी में, जिला कार्यकारिणी में और मंडल कार्यकारिणी में इस बार डिजिटल पेमेंट पर हमारा अभियान है। इसकी समझ के लिए जिला तक हो सके तो प्रजेंटेशन और मंडल में विषय अच्छे से रखा जाए। उसका

प्रजेंटेशन यहां से बनाकर भेज दिया जाएगा, जिसके माध्यम से मंडल तक के कार्यकर्ताओं को हम इस दिशा में प्रेरित कर सकें। वहीं पर कैंप लगा हो और उनके मोबाइल पर डाउनलोड करने की व्यवस्था भी वहीं पर हो, तो मुझे लगता है कि यहां से जाने के बाद सात दिन के बाद ही आपको एक टीम बनाकर सोचना पड़ेगा और एक परिपत्र पेश करना पड़ेगा। प्रदेश कार्यकारिणी से इसकी शुरुआत करनी पड़ेगी। पीयूष भाई और अमित मालवीय भी इस बात की चिंता करें कि तीन दिन के भीतर हर प्रदेश में एक प्रजेंटेशन पहुंच जाना चाहिए।

दूसरा मित्रो, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए यह बहुत जरूरी है कि हमारी सरकार क्या कर रही है, इसके लिए सरकार के हर फैसले की छोटी-छोटी जानकारी भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ताओं को गांवों तक होनी बहुत जरूरी है और वो जानकारी बहुत सारी बेबसाइट खंगालकर मिल जाएगी या ढूंढनी पड़ेगी ऐसा नहीं है । अब नरेन्द्र मोदी एप एक ऐसी व्यवस्था है जो इस व्यवस्था से छोटी से छोटी जानकारी सरकार के बारे में योजनाओं के बारे में, प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में आते हैं तो उसके बारे में ये सारी जानकारी कार्यकर्ताओं तक पहुंच सकती है। इस बार कार्यकारिणी में, प्रदेश कार्यकारिणी में, जिला कार्यकारिणी में और मंडल कार्यकारिणी में डिजिटल व्यवस्था को समझाने के लिए प्रजेंटेशन के साथ-साथ जब हम भीम एप डाउनलोड करा कर देंगे। यूपीआई डाउनलोड कराने की आवश्यकता नहीं है, मगर उसके साथ-साथ हर कार्यकर्ता के मोबाइल में जिसके पास स्मार्ट फोन है, नरेन्द्र मोदी एप डाउनलोड कराने का अभियान शुरु कर दें और उसको ऑपरेट करना भी सिखा दें। इसका भी एक प्रजेंटेशन बना है। वो प्रजेंटेशन आपको जो डिजिटल पेमेंट वाली प्रजेंटेशन है,

सभी प्रदेश अध्यक्ष इस बात को सुनिश्चित करें कि प्रदेश कार्यकारिणी में, जिला कार्यकारिणी में और मंडल कार्यकारिणी में इस बार डिजिटल पेमेंट पर हमारा अभियान है, इसकी समझ के लिए जिला तक हो सके तो प्रजेंटेशन और मंडल में विषय अच्छे से रखा जाए।

के साथ भेज दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री जी के प्रवास का अधिकतम लाभ पार्टी को मिले :

मित्रो एक विषय प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्रियों की बैठक में लिया गया है। प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के लिए प्रदेश में एक टीम बना देना और एक इंचार्ज राष्ट्रीय कार्यालय को देना है। आजाद भारत में सबसे ज्यादा घूमने वाला अगर कोई प्रधानमंत्री है तो मैं मानता हूं कि नरेन्द्र भाई होंगे। पूरे देश का दौरा, हर राज्य का दौरा जितना इन्होंने किया, शायद ही किसी ने किया होगा। मगर हम सबका दायित्व है कि इन सभी दौरों का राजनीतिक फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिले। हम एक मॉडल बनाएं और उनके कार्यक्रम में मैक्सिमम आउटपुट हमें मिलना चाहिए। जब प्रधानमंत्री जी का पूरा दिन किसी प्रदेश को या फिर प्रदेश के किसी जिले को मिल जाता है तो उसको जरा ठीक से प्लानिंग करना चाहिए। मानो एक प्रदेश हरियाणा है तो प्रदेश में प्रधानमंत्री जी कितने बार आए कहां-कहां गए। अगले बार किन जिलों में अगर प्रधानमंत्री जी का कार्यक्रम हो तो जनाधार बढ़ेगा, हमको इस पर भी काम करना है। हम पहले से सोचकर रख सकते हैं क्या? कार्यक्रम किस प्रकार का हो वो सोच सकते हैं क्या? एक टीम बनाने का तय किया गया है और एक इंचार्ज बनाने का तय किया गया है। उनका यह दायित्व है, कार्यक्रम क्या होगा। उसके बारे में अगर कोई आइडिया है तो उसे भेज दीजिए। यह कार्यक्रम कहां होगा यह हम तय करेंगे। मानो कि गरीबों को आवास देना है, ओडिसा जाना है तो कहां जाना है यह ओडिशा में तय करके रखे, कार्यक्रम वहीं हो जाएगा। इस तरह से स्थान और ज्यादा से ज्यादा आउटपुट कैसे हो सकता है, इसका हमें ध्यान रखना पड़ेगा। एक दूसरा भी

आजाद भारत में सबसे ज्यादा घूमने वाला अगर कोई प्रधानमंत्री है तो मैं मानता हूं कि नरेन्द्र भाई होंगे। पूरे देश का दौरा, हर राज्य का दौरा जितना इन्होंने किया, शायद ही किसी ने किया होगा। मगर हम सबका दायित्व है कि इन सभी दौरों का राजनीतिक फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिले।

आग्रह कल किया गया है कि प्रधानमंत्री जी का कार्यक्रम जो होगा इस पर मंच की व्यवस्था एक प्रकार की पूरे देश भर में होगी। जो चुनावी राज्य नहीं हैं वहां राज्यपाल को छोड़कर सात से ज्यादा नेता मंच पर नहीं बैठेंगे, यह तय कर लेना चाहिए। किसी और पार्टी के मुख्यमंत्री हैं तो उसको भी छोड़कर। अगर इतना हम तय कर लेते हैं तो मुझे लगता है कि कार्यक्रम करने में बहुत सुविधा होगी। काफी कार्यकर्ताओं को लगता होगा कि इसकी जरूरत क्या है? प्रधानमंत्री जी के हर कार्यक्रम के वक्त मंच पर बैठने वालों की सूची केन्द्र और प्रदेश के बीच में अटकी रहती है। सात से शुरु करते हैं और अब तक 11 से 16 तक पहुंची है। पहली सूची भी सात की ही आती है। आप एक बात बताइए कि कभी आप भी कार्यक्रम करवाते हैं तो सात लोगों का मंच होता है क्या? हमें एक व्यवस्था बनानी पड़ेगी जो पूरी तरह से अनुशासन में रहे।

मानो एक प्रदेश हरियाणा है तो प्रदेश में प्रधानमंत्री जी कितने बार आए कहां–कहां गए। अगले चार किन जिलों में अगर प्रधानमंत्री जी का कार्यक्रम हो तो जनाधार बढ़ेगा, हमको इस पर भी काम करना है।

तो मित्रो, इस पर भी मेरा आग्रह कि जो प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम की टीम बने उसको इस बात पर भी ठीक से विचार करना चाहिए। कुछ बिन्दुओं को नहीं दुहराऊंगा, कल रामलाल जी उस विषय को रखे हैं।

शताब्दी विस्तारक योजना गुणवत्तापूर्ण हो :

शताब्दी विस्तारक योजना जो है उस योजना को हमको कुछ भी करके सफल करना है। बहुत उत्साहपूर्वक रजिस्ट्रेशन किया गया है, मगर यहां पर इस सदन में जो प्रदेश के नेता बैठे हैं उन सबका दायित्व है कि इसकी क्वालिटी को हम बनाकर रखें। पहले इस योजना से हमें सिद्ध क्या करना है ये तय करना है। सिद्ध करने के लिए किस प्रकार के कार्यकर्ता उपयोग होंगे, उसे तय करना होगा। इसी प्रकार के कार्यकर्ताओं का चयन करना है। सिर्फ कार्यकर्ता को बूथ पर भेजना हमारा लक्ष्य नहीं है। मानों हम कार्यालय का आधुनिकीकरण करना चाहते हैं, तो 15 दिन पूर्ण समय देने वाले सात कार्यकर्ता पूरे समय

कार्यालय में बैठकर उस कार्य को समाप्त कर सकते हैं क्या? हर प्रदेश कार्यालय में हमें पुस्तकालय बनाना है तो इस प्रकार की रुचि रखने वाले कार्यकर्ताओं की टीम विस्तारक के नाते 15 दिनों में कार्य समाप्त कर सकते हैं क्या? हम डाक्यूमेंटेशन की व्यवस्था खुद ही करना चाहते हैं। सब चीजों को बताना नहीं चाहता, मगर बहुत सारी ऐसी बाते हैं जिसको हमें विस्तारक योजना की शुरुआत करके बल देनी चाहिए। सिर्फ बूथ को लक्ष्य करके करेंगे तो हम सफल नहीं होंगे। कई राज्यों में कई प्रकार की ऐसी जातियां होगी, कई ऐसे समाज होंगे, जिसका आज भी भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ाव करना जरूरी है। वो दस कार्यकर्ता उस समाज को भारतीय जनता पार्टी के साथ जोड़ने का काम करेंगे क्या? किसी वर्ग विशेष को भारतीय जनता पार्टी के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे क्या? इस तरह से इसका पूर्णतः आयोजन करना चाहिए। वरना एक लाख सत्तर हजार कार्यकर्ताओं की लिस्ट आयी है, हो सकता है उसको काट-छांट करके उसको छोटा भी किया जाय। तीन हजार कार्यकर्ता एक साल पार्टी को देने के लिए बाहर निकले हैं। बहुत बड़ी बात है ये, मगर उनके कार्य का आयोजन ठीक प्रकार से प्रदेश की टीम को करना पड़ेगा तभी जाकर हमें फायदा होगा।

सिर्फ कार्यकर्ता को बूथ पर भेजना हमारा लक्ष्य नहीं है। मानों हम कार्यालय का आधुनिकीकरण करना चाहते हैं, तो 15 दिन पूर्ण समय देने वाले सात कार्यकर्ता पूरे समय कार्यालय में बैठकर उस कार्य को समाप्त कर सकते हैं क्या?

बूथ इकाई मजबूत हो :

हर बूथ को एक्टिव बनाए रखना हमारे लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। कैडर बेस पार्टी का हम तमगा तो लगा देते हैं, मगर हमारे कैडर की संगठन की छोटी से छोटी जो इकाई है बूथ, उसको जिंदा रखने के लिए फंक्शन उसका चालू रहे इसके लिए हमारे एफर्ट कुछ भी नहीं है। कई प्रदेशों में अलग-अलग प्रयोग किए थे। गुजरात में जब नरेन्द्र भाई मुख्यमंत्री थे तब हमने प्रयोग किया था। मुख्यमंत्री का किसी भी जगह पर कार्यक्रम होता था तो पहला स्वागत

उस बूथ का अध्यक्ष आकर करता था। मगर मुझे लगता है कि बहुत विचार के बाद एक साल में बूथ से संबंधित छः कार्यक्रमों की योजना बनायी है। कल समीक्षा करने का प्रयास किया मगर मैं स्पष्टता से कहूं तो इसमें कुछ आगे नहीं बढ़ा है। जैसे पहले प्रकल्प और विभागों की जो स्थिति थी आज बूथ के छः कार्यक्रमों की है।

मित्रो, हम सब संगठन का कार्य करने वाले कार्यकर्ता हैं। हमारी जिम्मेदारी है, सबसे छोटी इकाई को आगे बढ़ाना। हर बूथ पर साल में छः कार्यक्रम का। जो ये कार्यक्रम तैयार किया गया है, उसको सफल बनाने के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी किसी की है तो महामंत्री संगठन की है। इस हाल में जितने भी संगठन महामंत्री हैं उन सभी को, बाकी कुछ नहीं होगा तो चलेगा, मगर हर बूथ में जो छः कार्यक्रम करना है उसको सफल बनाना पड़ेगा। मित्रो, जब तक बूथ इकाई मजबूत नहीं होती, हम पार्टी के नाते संगठनात्मक रूप से ठीक से काम नहीं करते। इसके लिए भी यहां से जाने के बाद एक टीम बने और संगठन मंत्री हर प्रदेश के उस टीम का नेतृत्व करे और उस कार्य को नीचे तक पहुँचाने की एक कार्ययोजना बनाएं।

मेरे जितने भी पत्र आपको मिलते होंगे, दीपावली कार्ड भी मिला होगा उस पर इस बार दीनदयाल जन्म शताब्दी का 'लोगो' था। हम सबको यह ध्यान रखना है कि इस एक साल में कोई साहित्य ऐसा नहीं हो, जिसमें दीनदयाल जन्म शताब्दी का 'लोगो' न हो।

दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष :

मित्रो, दीनदयाल जन्म शताब्दी का एक "लोगो" बनाया गया है। मेरे जितने भी पत्र आपको मिलते होंगे, दीपावली कार्ड भी मिला होगा उस पर इस बार दीनदयाल जन्म शताब्दी का 'लोगो' था। हम सबको यह ध्यान रखना है कि इस एक साल में कोई साहित्य ऐसा नहीं हो, जिसमें दीनदयाल जन्म शताब्दी का 'लोगो' न हो। साहित्य को फेंकने की जरुरत नहीं है, मैने भी नहीं फेंका था, पार्टी कार्यालय में भी नहीं फेंका गया है। स्टीकर बनाकर कवर पर और लैटरहेड पर चिपका देते थे। उसका स्टीकर छोटा सा बहुत सुंदर बनता है, वो बनाकर चिपका देना तो अपने आप चला जाएगा। अगर भारतीय जनता पार्टी

के राष्ट्रीय पदाधिकारी से लेकर गांव तक काम करने वाला जो भी व्यक्ति अपना व्यक्तिगत लैटरहेड छपवाता है पार्टी का जिले का, मंडल का प्रदेश का राष्ट्रीय सब पर दीनदयाल जन्मशताब्दी की हमारा जो लोगो है, वो छपना चाहिए। हम दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष गरीब कल्याण वर्ग के उत्थान के वर्ष के रूप में मना रहे हैं, उस लोगो से ही अपने आप संदेश चला जाता है।

मित्रो इस पर भी आग्रह करना है कि 11 फरवरी को समर्पण दिवस है। इसकी भी तैयारी करनी चाहिए। तैयारी करने के हिसाब से समय थोड़ा कम है, मगर हो सकता है इस बार समर्पण दिवस को एक अलग प्रकार का स्वरूप भी दें। मैं साथियों के साथ थोड़ी चर्चा करके इसकी घोषणा करूंगा। इसका परिपत्र भी जारी होगा मगर समर्पण दिवस की जो व्यवस्था बनी है, उसको चुस्त दुरुस्त करके आप एक बैठक इसकी तुरंत ही इसी कार्यकारिणी में कर लें।

विमुद्रीकरण के फैसले के कारण पार्टी का जनाधार बढ़ रहा है और बदल भी रहा है, पार्टी के जनाधार की केमेस्ट्री बदल रही है। उसे हमको समझना पड़ेगा। एक जमाने में मध्यम वर्ग और नव मध्यम वर्ग की पार्टी कही जाने वाली भारतीय जनता पार्टी आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, दलित, पिछड़ा, मजदूर और शोषितों की पार्टी बनने जा रही है।

बढ़ते जनाधार के साथ परिवर्तन आवश्यक :

मित्रो, विमुद्रीकरण पर बहुत सारी चर्चा हुई है। विमुद्रीकरण के अर्थतंत्र पर प्रभाव और कालाधन को मैं दोहराना नहीं चाहता, मगर एक बात हम सारे कार्यकर्ताओं को समझना चाहिए कि हम सब पोलिटिकल पार्टी के कार्यकर्ता हैं। विमुद्रीकरण के फैसले के कारण पार्टी का जनाधार बढ़ रहा है और बदल भी रहा है, पार्टी के जनाधार की केमेस्ट्री बदल रही है। उसे हमको समझना पड़ेगा। एक जमाने में मध्यम वर्ग और नव मध्यम वर्ग की पार्टी कही जाने वाली भारतीय जनता पार्टी आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, दलित, पिछड़ा, मजदूर और शोषितों की पार्टी बनने जा रही है। इस परिवर्तन को हम अकेले प्रधानमंत्री

के कार्यक्रम से सफलतापूर्वक नहीं कर पाएंगे। जब तक बूथ पर कार्य करने वाला कार्यकर्ता अपनी भाषा नहीं बदलेगा, अपना व्यवहार नहीं बदलेगा, तब तक यह जनाधार बनने की जो प्रक्रिया है वो अधूरी रह जाएगी। हमारी भाषा के अंदर गरीब आना चाहिए, हमारी भाषा में सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं की बार-बार पुनरावृत्ति होनी चाहिए। मैं निःसंकोच कहना चाहता हूं मित्रो कि इसको नेतृत्व के साथ जोड़िए। लंबी आयु आप इस बढ़े हुए जनाधार को दे देंगे और इसी तरह से राजनीतिक पार्टियां अपना जनाधार बदलती हैं। मित्रो, मैं मानता हूं कि इसकी जिम्मेदारी संगठन के लोगों की विशेष रूप से है। सारी सरकारें देश भर में जितनी भी है, दस भाजपा की और सहयोगियों की मिलाकर चौदह सरकारें और केन्द्र सरकार में सबसे ज्यादा गरीबों के कल्याण के लिए अगर किसी ने काम किया है तो वो भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने किया है। मगर गरीब तक पहुंचना अभी बाकी है। मैं मानता हूं मित्रो अगर ये स्थिति है तो बुरी है और उसको हमें बदलना पड़ेगा। प्रधानमंत्री जी ने बहुत सोच समझकर हर एक जगह यह संदेश देने का काम किया है। भीम नाम का एप उसी तरह से रखा गया है कि हर गरीब आसानी से उसे स्वीकार कर ले। मगर ये बात हमने अच्छे तरीके से पार्टी के कार्यक्रमों में व्यवहार में सब जगह दिखनी चाहिए। सर्जिकल स्ट्राइक को भी हम विमुद्रीकरण के शोरशराबे के बीच जनता को भूलने न दें। भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता को इस बात का चिर स्मरण रखने की आवश्यकता है कि सर्जिकल स्ट्राइक सत्तर साल के बाद देश की सुरक्षा के लिए उठाए गए सबसे दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति वाला फैसला है, और मित्रो इसको हमें लोगों के दिमाग में इस को बार-बार दोहराना चाहिए।

जब तक बूथ पर कार्य करने वाला कार्यकर्ता अपनी भाषा नहीं बदलेगा, अपना व्यवहार नहीं बदलेगा, तब तक यह जनाधार बनने की जो प्रक्रिया है वो अधूरी रह जाएगी।

निर्बल विपक्ष से हमारी जिम्मेदारियां बढ़तीं हैं :

मित्रो, एक और बात पर मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं, मेरा देश के हर

हिस्से में प्रवास होता है, कुछ प्रवास छोड़कर ज्यादातर प्रवास संगठनात्मक कार्यों के लिए होता है। देश में ऐसे कई हिस्से हो गए हैं जहां पर भारतीय जनता पार्टी के सामने विपक्ष बहुत ही निर्बल है अथवा है ही नहीं। यह स्थिति भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत चिंता जनक है, मेरे कहने का मतलब यह नहीं कि विपक्ष को मजबूत करो, मगर जहां पर विपक्ष निर्बल हैं, जहां पर विपक्ष नहीं के बराबर है वहां भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी अनेक गुना बढ़ जाती है। विपक्ष है तो वो हमारा कान पकड़ेगा, लेकिन अगर विपक्ष नहीं है तो हमारी व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए हमारे भीतर की जागरूकता ऐसी होनी चाहिए, हमारी सजगता ऐसी होनी चाहिये जो धीरे-धीरे पतन की दिशा में न ले जाए। मित्रो इसकी बहुत जरूरत है। स्वयंस्फूर्त व्यवस्था विपक्ष की अनुपस्थिति में भी हमारे संगठन को बनानी पड़ेगी कि कहीं पर भी दूर-दूर तक आलस्य का निर्माण ना हो। दूर-दूर तक सार्वजनिक जीवन की शुचिता के साथ हम समझौता न करें। इसकी बहुत चिंता करने की जरूरत है मित्रो। मैं देश के सारे हिस्सों में जाता हूं तो जो महसूस करता हूं वह मैं आज आपके साथ शेयर करना चाहता हूं। प्रदेश इकाइयों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि हमारी गतिविधियों के लिए, हमारी स्फूर्ति के लिए हमारी स्वस्फूर्ति के लिए और हमारे सार्वजनिक जीवन के जो नॉर्म्स हैं उसमें कहीं गिरावट तो नहीं आ रही है? मित्रो, हमें इन सारी चीजों पर चिंता करनी चाहिए।

विपक्ष है तो वो हमारा कान पकड़ेगा, लेकिन अगर विपक्ष नहीं है तो हमारी व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, हमारे भीतर की जागरूकता ऐसी होनी चाहिए, हमारी सजगता ऐसी होनी चाहिये जो धीरे-धीरे पतन की दिशा में न ले जाए।

त्वरित पॉलिटिकल रिस्पांस आवश्यक:

पांच राज्यों में चुनाव आ रहा है। पांचों राज्य हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उसमें से भी सबसे ज्यादा महत्व उत्तर प्रदेश का है, क्योंकि यह देश का सबसे बड़ा प्रांत है, और राजनीति की दिशा भी उत्तर प्रदेश तय करता है।

मगर मैं मानता हूं कि मणिपुर का भी उतना महत्व है, जितना उत्तर प्रदेश का महत्व है। पूर्वोत्तर के मणिपुर से लेकर पश्चिम के गोवा तक एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जहां भारतीय जनता पार्टी की जीत की संभावना न हो। पार्टी बहुत सारे कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय करने वाली है। उसमें जहां-जहां जिसकी-जिसकी जिम्मेदारी तय हो उन्हें समय की प्राथमिकता देनी पड़ेगी। विशेषकर चुने हुए प्रतिनिधियों को अपने समय में इसको जरा ठीक से ध्यान रखना पड़ेगा। दूसरी एक बात एकाध साल से बहुत मन में आती है। कोई भी बहुत बड़ी घटना हो, सरकार ने बहुत बड़ा फैसला कर लिया हो, सर्जिकल स्ट्राइक हो या विमुद्रीकरण हो, जो बहुत सारे फैसले सरकार ने लिए हैं। उसका रिस्पांस हमारे कार्यकर्ताओं का खुद ही नहीं आता। यहां से सूचनाएं देने के लिए हमारे लोगों को खुद ही बैठना पड़ता है। मित्रो, हमारी पार्टी की सरकारे चाहे राज्य में हो या केन्द्र में हो, सरकार कोई अच्छा फैसला लेती है, सरकार जनाधार बढ़ाने वाली फैसला लेती है और उसको राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता के नाते, संगठन के नाते अगर हम रिस्पोंस नहीं करते हैं और इसके लिए भी हमें सूचना भी पड़ेगी तो हमें लगता है कि इस बात को हमें बदलना चाहिए। एक बार भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता तय कर ले कि सरकार जो फैसला करती है उस पर हम रिस्पांस करेंगे। मैं मानता हूं कि विश्व रिकार्ड करने वाले ट्विटर के ट्रेंड सर्च करने की ताकत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में है। हर कार्यकर्ता अपने आपको जोड़ ले। फैसलों के लिए और इसके लिए आग्रह से प्रदेश कार्यकारिणियों में जिला कार्यकारिणियों में मंडल कार्यकारिणियों में विषय को घोंटना पड़ेगा और हर बार बताना पड़ेगा कि भई किसी की सूचना आने की जरूरत नहीं है। विमुद्रीकरण होते ही हमारे स्वागत का ट्वीट चला जाना चाहिए, फेसबुक पर अपडेट हो जानी चाहिए, प्रेस में स्टेटमेंट चला जाना चाहिए, भीम एप्प लांच होते ही इसका स्वागत

मैं मानता हूं कि मणिपुर का भी इतना महत्व है, जितना उत्तर प्रदेश का महत्व है। पूर्वोत्तर के मणिपुर से लेकर पश्चिम के गोवा तक एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जहां भारतीय जनता पार्टी की जीत की संभावना न हो।

हो जाना चाहिए। देश भर के अनुसूचित जाति मोर्चे के कार्यकर्ता सहित सभी कार्यकर्ताओं को बार-बार नीचे तक ले जानी पड़ेगी। पोलिटिकल रिस्पांस हमारा त्वरित होना चाहिए और शार्प होना चाहिए। अगर कार्यकर्ताओं का पोलिटिकल रिस्पांस त्वरित और शार्प होता है तो मैं बताता हूं कि हमारे फैसलों की ताकत अनेक गुना बढ़ जाएगी।

मित्रो, मोदी जी के नेतृत्व में 2014 से भारतीय जनता पार्टी की जो विजय यात्रा का क्रम प्रारंभ हुआ है, 2017 में भी पांच राज्यों की सरकार होगी, यह विश्वास है। आप सभी साथियों की क्षमता के आधार पर मैं विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि 2017 का साल भी भारतीय जनता पार्टी की विजय यात्रा के साथ ही समाप्त होगा और इसके लिए आने वाले चुनाव के पांचों राज्यों के लिए मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं भी देना चाहता हूं और आपके लिए देश भर के सभी कार्यकर्ताओं के मन में जो भावना है उसको बताकर मैं अपनी बात को समाप्त करना चाहता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

❑❑❑

डिजिटल पेमेंट की पूरी समझ छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को हो, इसलिए प्रदेश जिला और मंडल की कार्यकारिणी में यह विषय आवश्यक रूप से रखवाना चाहिए। इस आंदोलन को हम आधा-अधूरा नहीं छोड़ सकते। आप इसको विमुद्रीकरण के साथ ही जोड़कर न देखिएगा। अगर इस आंदोलन को हम सफल नहीं बनाते हैं तो विमुद्रीकरण को हम सफल नहीं बना सकते हैं, ऐसा हम मानते हैं। काले धन को समाप्त करना एक मात्र लक्ष्य नहीं हो सकता, काले धन को उत्पन्न करने वाली व्यवस्था को भी समाप्त करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। जब तक डिजिटल पेमेंट की दिशा में हम आगे नहीं बढ़ते, तब तक काले धन को जेनरेट होने से हम नहीं रोक सकते हैं।

– अमित शाह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

BHARATIYA JANATA PARTY

भारतीय जनता पार्टी
11, अशोक रोड, नई दिल्ली, 110001
फोन : 011-23005700, फैक्स : 011-23005787